कोलेज एवं मंडल का परिचयः

यु.जी.सी. द्वारा कोलेज विथ पोटेन्शीयल फोर एक्सेलेंस, तथा NAAC (3.21-CGPA) से A ग्रेड प्राप्त संस्था उमा आर्टस एवं नाथीबा कोमर्स महिला कोलेज, गांधीनगर की स्थापना मूल्यनिष्ठ शिक्षा के द्वारा स्त्री सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के ध्येय को परिपूर्ण करने हेतु सन १९९१ में हुई । हमारी संस्था 'सर्व विद्यालय केळवणी मंडल, कडी' द्वारा संचालित है । 'मंडल' की स्थापना सन्१९१९ में 'कर भला, होगा भला' के सिध्धांत के साथ हुई । मंडल के आद्यस्थापक पूज्य छगनभा बच्चोंको शिक्षित कर, समाजमे सम्माननीय दर्जा दिलवाकर, उन्हें भारत के निष्ठावान नागरिक बनाकर सामाजिक क्रान्ति करने के लिये कटिबद्ध थे । स्व. श्री माणेकलाल एम. पटेल (पूर्व चेरमेन, सर्व विद्यालय केळवणी मंडल एवं प्रेसिडेन्ट, कडी सर्व विश्वविद्यालय) शिक्षा क्षेत्र के प्रति समर्पित, द्रष्टा एवं उद्योगपति थे, जिन्होनें 'सर्व विद्यालय केळवणी मंडल' को अप्रतिम ऊंचाईयों तक पहुंचाया ।

वर्तमान समयमें 'मंडल' का नेतृत्व एवं संचालन उनके जैसे ही तेजस्वी सम्माननीय श्री वल्लभभाई एम. पटेल कर रहे हैं ।

परिसंवाद का उद्देश्य :

आधुनिक शोध के क्षेत्र में आन्तर्विद्याकीय तथा तुलनात्मक शोध की नई नई दिशाएं उद्घाटित हो रही हैं । इसे मद्देनजर रखते हुए "आधुनिक परिप्रेक्ष्यमें भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की प्रस्तुतता" पर एक दिवसीय Multidisciplinary राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा हैं ।

"दुर्लभं भारते जन्म" अर्थात् भारत देशमें जन्म लेना परम सौभाग्य की बात है । हमें विरासत में भारत की भव्यातिभव्य तथा दिव्यातिदिव्य परम्परा प्राप्त हुई है । समूचे विश्व में भारतवासियों के पास संस्कृति की महान, तथा भव्य धरोहर है, जीवन में सत्यम्, शिवम् एवम् सुंदरम् को साकार करने की अलौकिक द्रष्टि है, हताशा को आशामें और उदासी को उमंग में परिवर्तित करनेका अदभुत मंत्र है ।

प्राचीन भारत की सिध्धियाँ धर्म, दर्शन, कला, शास्त्र, साहित्य वाणिज्य, ज्ञान तथा विज्ञान के विविध क्षेत्रोमें आज भी अपना परचम लहरा रही हैं । मानवविद्या की विविध शाखाएं, वाणिज्य एवम् तकनीकी क्षेत्रोंमें भी हमारी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्व्याख्यायित तथा पुनर्मूल्यांकित करने हेतु इस परिसंवाद का आयोजन किया जा रहा है ।

'सह वीर्यं करवावहै' ईशावास्य उपनिषद् के इस आह्वान को आत्मसात् करते हुए हम सभी इस ज्ञानयज्ञ में आहुति अर्पण करके कृतार्थ बनें ।

शीर्षकः

"आधुनिक परिप्रेक्ष्यमें भारतीय सांस्कृतिक धरोहरकी प्रस्तुतता ।

"Relevance of Indian Cultural Heritage in Modern Perspective""

उपशीर्षक :

१) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय साहित्य ।
(Modern Perspective and Indian Literatures)

२) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय इतिहास ।
(Modern Perspective and Indian History)

३) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय समाज ।
(Modern Perspective and Indian Society)

४) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय मनोविज्ञान
(Modern Perspective and Indian Psychology)

५) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय सांस्कृतिक भूगोल।
(Modern Perspective and Indian Cultural Geography)

६) आधुनिक परिप्रेक्ष्य और भारतीय अर्थतंत्र ।
(Modern Perspective and Indian Economy)

७) भारतीय सांस्कृतिक विरासत के रख-रखावमें टेक्नोलोजी की भूमिका ।
(The Role of Technology in Preserving Indian Cultural Heritage)

- उपरोक विषयसूचि दिशा-निर्देश हेतु प्रस्तुत की गई हैं । प्रतिभागी इस विषयवस्तुसे संलग्न किसीभी विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं ।
- प्रतिभागी अपना प्रपत्र अंग्रेजी या हिन्दी में प्रस्तुत कर सकते हैं ।
- गुजराती भाषा / साहित्य के प्रतिभागी गुजरातीमें अपना प्रपत्र प्रस्तुत कर सकते हैं ।
- चयन समिति द्वारा चयनित 'प्रपत्र' ISBN NO. के साथ पुस्तक के रुपमें में प्रकाशित किये जायेंगे ।

शोधपत्र के लिये प्रक्रिया :

शोधपत्र प्रस्तुत करनेवाले शोधार्थी अपने शोधपत्र या शोधपत्र का सार ईमेल से और पत्र से फोर्म के साथ दिनांक 20th February 2016 तक अवश्य भेजें।

शोधपत्र या शोधपत्र का सार अंग्रेजी भाषा के लिये Times New Roman (font size 12) हिन्दी एवं गुजराती के लिये Saral/Shruti (Font size 14) होना चाहिए ।

महत्वपूर्ण तिथिः

- शोधपत्र सार जमा करने की अंतिम तिथिः 20th Feb 2016
- रजिस्ट्रेशन के लिये अंतिम दिनांकः 20th Feb 2016

पंजीकरण शुल्क :

Category	Fees
Faculty	700/-
Research Scholars	400/-
On the Spot	1000/-

UGC (CPE sponsored)

National Seminar

On

Relevance of Indian Cultural Heritage in Modern Perspective

27th February 2016

Organized by

Uma Arts & Nathiba Commerce Mahila College, Gandhinagar

Registration form

Subject: _____

Name:_____

Gender: _____

Mobile: _____

Designation: _____

Mailing Address:_____

_____

_____

_____

Email ID:_____

Name of the Institution:_____

_____

Title of the research Paper:_____

_____

_____

_____

Payment Details:

Demand Draft NO. _____ Date: _____

DD in Favour of "Principal, Uma Arts & Nathiba Commerce Mahila college, Gandhinagar"

Signature: Date:

Photocopy of registration form may be used

Registration form should be sent by registered post / courier or E-mail scanned copy.

-: Invited By :-

Shree Vallabhbhai Patel

Chiarman,
Sarva Vidyalaya Kelavni Mandal,
Kadi & Gandhinagar

Dr. Amrita Patel

Principal,
Uma Arts & Nathiba Commerce Mahila College, Gandhinagar

Dr. Pranav Joshipura

Vice Principal

Dr. Roopa Chavda

Co-ordinator (IQAC)

Dr. Yogini Vyas

Seminar Co-ordinator, 9408778365

Prof. Rita Gandhi

Seminar Co-ordinator, 9429601787

: पत्र व्यवहार के लिये :

ईमेलः naconference.uma2016@gmail.com

पताः *उमा आर्टस एवं नाथीबा कोमर्स महिला कोलेज, सर्व विद्यालय केणवणी मंडल केम्पस, सेक्टर - २३, गांधीनगर - ३८२०२३, गुजरात, भारत.*

INVITATION

UGC (CPE) Sponsored

One day

National Seminar

On

"Relevance of Indian Cultural Heritage in Modern Perspective"

"आधुनिक परिप्रेक्ष्यमें भारतीय सांस्कृतिक धरोहरकी प्रस्तुतता ।"

27th February 2016

Organized By

Uma Arts & Nathiba Commerce Mahila College

(College with Potential for Excellence)

Accredited with 'A' Grade by NAAC (3.21 –CGPA)

(Managed by Sarva Vidhyalaya Kelavani Mandal)

-: Venue :-

Uma Arts & Nathiba Commerce Mahila College

Sarva Vidyalaya Kelavani Mandal Campus

Sector – 23, Gandhinagar – 382023.

Gujarat, India. Tel No. (079) 23240443

Website: uancmahilacollege.org